Exchange & Finance Available
Zelo Electric Scooter
Maa Bhagwati Services & Enterprises
B. No. 23, Infront of IDBI Bank,
Neemuch 9407423966, 8770664866

मालवा फर्स्ट

MALWA FIRST

स्वाभिमान ही हमारा अभिमान है

Periodicity- Weekly

PRGI Reg. No. MPHIN/2023/90883

संपादक : ऐश्वर्य शर्मा

नीमच, बुधवार

01 अक्टूबर 2025

वर्ष - 03, अंक - 22 - मूल्य 02 रूपए

पृष्ठ - 04

E-mail: nmh.pawan@gmail.com

Contact: 9407423966, 8770664866

Commodity: Gold 99,735 Silver 97,000 Crude Oil 5,963 Natural Gas 302.20 Aluminium 232.30 Copper 827.35

प्रदेश के हर चौथे बच्चे को मिल रही है आरटीई से शिक्षा की गारंटी - सीएम मोहन यादव

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा के अधिकार (आरटीई) अधिनियम के अंतर्गत हर चौथे बच्चे की फीस प्रतिपूर्ति कर रही है। बेहतर शिक्षा और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की सुरक्षा ही सरकार की प्राथमिकता है। इसी संकल्प के साथ अगले शैक्षणिक सत्र से आरटीई के तहत पढ़ने वाले विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तकें और बैग भी उपलब्ध कराए जाएंगे। मुख्यमंत्री सोमवार को हरदा जिले के खिरकिया में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने 20 हजार 652 अशासकीय विद्यालयों को 8.45 लाख से अधिक विद्यार्थियों की फीस प्रतिपूर्ति हेतु 489 करोड़ रुपये सिंगल क्लिक से अंतरित किए। उन्होंने दो विद्यालयों को सांकेतिक चेक भी भेंट किए।

प्रदेश तेजी से विकास कर रहा - मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश सबसे तेज गति से विकास कर रहा है। प्रदेश में सांदीपनि विद्यालयों की स्थापना की गई है। शासकीय स्कूलों के विद्यार्थियों को मुफ्त साइकिल, ड्रेस और किताबें दी जा रही हैं। 75 प्रतिशत अंक लाने वालों को लैपटॉप और टॉपर विद्यार्थियों को स्कूटी प्रदान कर प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल डिग्री हासिल करने का साधन नहीं, बल्कि यह बच्चों को देशभक्त नागरिक बनाने का मार्ग है। बच्चे भविष्य में डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षक के साथ ही सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में भी भूमिका निभाएं, यही सरकार की मंशा है।

अब भवांतर योजना लागू की जा रही - डॉ. यादव ने कहा कि किसानों को गेहूं की उपज पर 175 रुपये बोनस देकर 2600 रुपये प्रति क्विंटल का मूल्य दिलाया गया। अब भावांतर योजना लागू कर सोयाबीन किसानों को 5328 रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य दिलवाया जाएगा। मूंग और धान उत्पादक किसानों को भी उपज का उचित मूल्य दिया जा रहा है। उन्होंने हरदा में हुई भीषण विस्फोट दुर्घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार ने तत्परता से राहत और बचाव कार्य किए। अब आपातकालीन स्थितियों में घायलों और बीमारों को शीघ्र उपचार के लिए पीएमश्री एयर एंबुलेंस की व्यवस्था की गई है।

भारतीय संस्कृति और शिक्षा का महत्व- मुख्यमंत्री ने गुरुजनों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु को सर्वोच्च स्थान दिया गया है। उन्होंने महर्षि विश्वामित्र, भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण की शिक्षा यात्राओं का उल्लेख कर वर्तमान पीढ़ी को भारतीय ज्ञान परंपरा से प्रेरणा लेने का आह्वान किया।

स्कूल भवन समेत कई विकास कार्यों की सौगात - कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने 1851.04 लाख रुपये लागत के पाँच विकास कार्यों का भूमिपूजन किया, जिनमें हाई स्कूल भवन, महाविद्यालयीन छात्रावास, उपकेंद्र और पंचायत भवन शामिल हैं। इसके साथ ही 573.80 लाख रुपये की लागत से बने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र धनवाडा और भवरास उप केंद्र का लोकार्पण भी किया। उन्होंने आशापुर-हरदा सड़क के लिए 72 किलोमीटर लम्बाई के निर्माण की घोषणा की।

कलाकारों को 5-5 हजार प्रोत्साहन राशि की घोषणा - खिरकिया आगमन पर जनजातीय कलाकारों ने मुख्यमंत्री का पारंपरिक स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी कलाकारों को 5-5 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की। साथ ही 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत पौधा भी लगाया।

70 प्रतिशत विद्यार्थी किसान परिवार से - केंद्रीय राज्यमंत्री दुर्गादास उइके ने कहा कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम समाज के कमजोर वर्ग के लिए वरदान है। स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने बताया कि निजी स्कूलों में पढ़ने वाले 70 प्रतिशत विद्यार्थी किसान परिवार से आते हैं। पूर्व मंत्री कमल पटेल ने कहा कि हरदा जिला सिंचाई, पेयजल और सड़क सहित हर क्षेत्र में अग्रणी है और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में विकास की गति और तेज होगी।

नीमच में 'वॉकी-टॉकी गैंग' के 4 बदमाश गिरफ्तार

वारदात करने से पहले वकील हायर कर लेते थे, 700 फुटेज खंगालने के बाद मिला सुराग

नीमच । पुलिस ने चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाली एक हाई-टेक अंतरराज्यीय गिरोह के चार शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इस गिरोह का तरीका-ए-वारदात चौंकाने वाला था, जिसमें ये चोर पुलिस की पकड़ से बचने के लिए वॉकी-टॉकी का इस्तेमाल करते थे और वारदात से पहले ही अपने लिए वकील हायर कर लेते थे। यह जानकारी सोमवार को एसपी अंकित जायसवाल ने प्रेसवार्ता के दौरान दी।

टैटू आर्टिस्ट है गैंग का मास्टरमाइंड - गिरफ्तार किए गए गिरोह का मास्टरमाइंड भोपाल निवासी अनूप सिंह राजपूत है, जो पहले एक टैटू आर्टिस्ट था। उस पर पहले से 40 से अधिक मामले दर्ज हैं।

पुलिस के मुताबिक, इस गिरोह ने 10 सितंबर को नीमच में दो बड़ी चोरियों को अंजाम दिया था। फरियादी सुनील पाटीदार और देवेंद्र कुमार जैन के घरों में ताला तोड़कर चोरी की गई थी। देवेंद्र जैन के घर से चोर सोने की जूलरी, एक स्पीकर और साढ़े तीन लाख रुपए नकद चुरा ले गए थे।

भोपाल से आई लीड - मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आठ टीमें गठित कीं और चोरों तक पहुंचने के लिए नीमच से भोपाल तक लगभग 600-700 स्थानों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। फुटेज में बदमाश एक सेंट्रो कार का उपयोग करते दिखे। जांच में सामने आया कि वारदात अनूप सिंह राजपूत की गैंग ने की है। पुलिस को पता चला कि अनूप सिंह और उसका साथी अहमद हुसैन पठान (मंदसौर) पहले से ही एक अन्य मामले में सेंट्रल जेल भोपाल में बंद हैं।

प्रोडक्शन वारंट पर पूछताछ - 24 सितंबर को पुलिस दोनों को प्रोडक्शन वारंट पर नीमच लेकर आई। पूछताछ में उन्होंने अपने अन्य साथी अंकित उर्फ किट्टू मराठा (भोपाल) और अभिषेक लुनिया चौहान (महू) के साथ मिलकर वारदातें करना स्वीकार किया। पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और उनकी निशानदेही पर 75,000 नकद, ब्लूटूथ स्पीकर और वारदात में इस्तेमाल किए गए वॉकी-टॉकी, ग्लव्स और जीपीएस सहित अन्य औजार जब्त किए हैं।

नीमच में पूर्व पार्षद पर महिला ने लगाया गंभीर आरोप, जान से मारने की धमकी का मामला

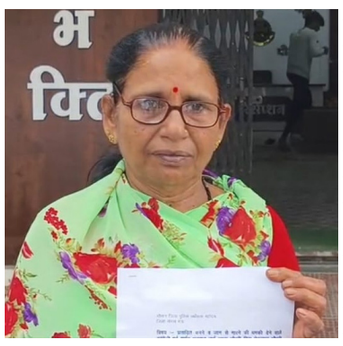

नीमच । मध्यप्रदेश के नीमच जिले में कांग्रेस के पूर्व पार्षद धनराज उर्फ लाला चौधरी पर एक महिला ने प्रताड़ित करने और जान से मारने की धमकी देने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर तत्काल प्रकरण दर्ज कर सुरक्षा प्रदान करने की मांग की है।

प्रार्थिया आशा देवी पति अमरसिंह चौहान निवासी बंगला नंबर 19 कार्मल कान्वेंट स्कूल रोड नीमच ने शिकायत में कहा है कि उसके पिता का बंगला नंबर 18 स्थित मकान आरोपी धनराज को किराए पर दिया गया था। जिसको उसने फर्जी तरीके से अपने नाम करवा लिया। इस मामले का प्रकरण इंदौर हाई कोर्ट में विचाराधीन है। आरोपी धनराज उर्फ लाला चौधरी लगातार उसे और परिवार को धमकियां दे रहा है। महिला का आरोप है कि 27 जुलाई 2025 को धनराज ने उसका रास्ता रोककर धमकाया था। वहीं 29 सितंबर 2025 को गोपाल दूध डेयरी के पास आरोपी ने उसे फिर रोका और अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए जान से मारने की धमकी दी। उसने चेतावनी दी कि यदि प्रकरण वापस नहीं लिया गया तो उसका नीमच शहर में जीना मुश्किल कर देगा और उसकी लाश उठानी पड़ेगी।

शिकायत में कहा गया है कि आरोपी धनराज अपनी दबंगई और प्रभाव के चलते उसे लगातार परेशान कर रहा है। इस वजह से महिला का घर से निकलना भी मुश्किल हो गया है और उसकी इज्जत व सुरक्षा पर गंभीर संकट खड़ा हो गया है।

महिला ने पुलिस अधीक्षक से आरोपी धनराज उर्फ लाला चौधरी और उसके साथियों पर तत्काल आपराधिक प्रकरण दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। साथ ही उसने अपनी जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित करने की गुहार भी लगाई है।

अल्पविराम कार्यशाला सम्पन्न

नीमच । जिले में शासकीय कार्यों में आनंद की अनुभूति और तनावमुक्त जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'अल्पविराम' कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। राज्य आनंद संस्थान, आनंद विभाग और जन अभियान परिषद् के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इन कार्यशालाओं में मनासा, नीमच और जावद ब्लॉक के लगभग 180 शासकीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।

यह आयोजन जिलाधीश हिमांशु चन्द्रा के निर्देशन में संपन्न हुआ। कार्यशाला का मुख्य लक्ष्य प्रतिभागियों को उनके दैनिक जीवन और शासकीय दायित्वों को तनावमुक्त तरीके से निभाने के लिए व्यावहारिक सुझाव देना था। प्रशिक्षण के दौरान शांत चित्त, सकारात्मक सोच, स्वयं के प्रति जागरूकता और सामूहिक सहभागिता जैसी गतिविधियों से आंतरिक आनंद और संतुलित जीवन जीने के महत्वपूर्ण गुर सिखाए गए। मास्टर ट्रेनर वक्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि कार्यस्थल पर सौहार्दपूर्ण वातावरण और स्वयं के व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लाने से न केवल व्यक्तिगत तनाव कम होता है, बल्कि कार्यक्षमता में भी वृद्धि होती है। उन्होंने आनंदित व्यवहार के कार्यक्रमों को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से भी जोड़ा, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि खुशी और रचनात्मकता किस प्रकार शासकीय कार्यों में ऊर्जा का संचार कर सकती है।

दीवाली से पहले मुआवजा दो, वरना MP-MLA की नो एंट्री

मनासा में कांग्रेस और किसानों ने किया प्रदर्शन, चेतावनी भी दी

नीमच । जिले के मनासा में बारिश और पीले मोजेक वायरस से खराब हुई सोयाबीन फसलों के उचित मुआवजे की मांग को लेकर आज कांग्रेस और किसानों ने मिलकर प्रदर्शन किया। कांग्रेस के तत्वावधान में बड़ी संख्या में किसान और कार्यकर्ता सड़क पर उतरे और मंडी गेट पर धरना दिया।

प्रदर्शनकारियों की मुख्य मांग है कि किसानों को दीपावली से पहले मुआवजा राशि का भुगतान किया जाए। कांग्रेस नेताओं ने सत्ताधारी दल के सांसद और विधायक को सीधा अल्टीमेटम दिया है। उन्होंने एक स्वर में चेतावनी दी कि 'यदि दीपावली से पहले किसानों के खातों में मुआवजा राशि नहीं डाली गई, तो गांवों में सांसद-विधायकों की 'नो एंट्री' रहेगी।' उपस्थित किसानों ने भी इस चेतावनी का समर्थन करते हुए एकजुटता दिखाई।

सरकार भावांतर के नाम पर धोखा दे रही - धरना प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष तरुण बाहेती ने सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि फसलें बर्बाद हो चुकी हैं और किसान खून के आंसू रो रहा है, लेकिन सरकार मुआवजा देने के बजाय भावांतर योजना के नाम पर किसानों को फिर से धोखा देने की कोशिश कर रही है। बाहेती ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस किसानों की लड़ाई तब तक लड़ेगी जब तक उन्हें उचित मुआवजा नहीं मिल जाता। उन्होंने सरकार से भावांतर की बात बंद कर तुरंत किसानों के खाते में पैसा डालने की मांग की।

विधायक 'भुट्टा पार्टी' में व्यस्तः कांग्रेस - जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि आर. सागर कछावा ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जब किसान संकट में हैं, तब यहां के विधायक खेतों में जाने की जगह फार्महाउस पर 'भुट्टा पार्टी' कर रहे हैं और सांसद-विधायक जीएसटी पर उत्सव मना रहे हैं, जो किसानों का अपमान है। कछावा ने पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के कार्यकाल का उदाहरण देते हुए कहा कि भाजपा नेताओं में किसानों के प्रति संवेदना खत्म हो चुकी है।

स्टंट से रोका तो पुलिसकर्मी की वर्दी पकड़ी, पीटा

नीमच । नीमच में स्कूटी से स्टंट कर रहे एक युवक ने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी से मारपीट कर दी। पुलिसकर्मियों ने युवक को स्टंट करने से रोका था। इससे युवक का गुस्सा भड़क गया। घटना रविवार देर शाम की है। घटना का वीडियो भी सामने आया है।

युवक मेसी शोरूम चौराहे के बीच में स्कूटी को टेढ़ा-मेढ़ा चलाकर खतरनाक स्टंट कर रहा था। इससे ट्रैफिक जाम हो रहा था। आने-जाने वालों की जान को जोखिम भी था।

पुलिस ने आरोपी युवक को हिरासत में लिया - मामले की गंभीरता को देखते हुए कैंट थाना पुलिस ने फौरन कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक को हिरासत में लिया। युवक की पहचान धनेरिया रोड बघाना निवासी सौरभ (38) पिता ताराचंद छाबड़ा के रूप में हुई है। थाना प्रभारी पुष्पा चौहान ने बताया कि यह युवक अक्सर स्टंट करता है और रोकने पर आम लोगों से भी विवाद करता है। रविवार को इसने पुलिसकर्मी से मारपीट की, जो गंभीर अपराध है।

पर्यावरण मित्रों ने जिला कलेक्टर को दिया ज्ञापन

हरे भरे लहलहाते वर्षों पुराने पेड़ों को निर्दयतापूर्वक काटने वालों के विरुद्ध जिला प्रशासन करें कार्यवाही

नीमच । वृक्ष हमारे जीवन मित्र हैं जो जीवन भर जीने के लिए प्राणी जगत को मुफ्त वायु आक्सीजन प्रदान करते हैं, वर्तमान परिप्रेक्ष्य में पर्यावरण की की कमी से वायुमंडल दुषित हो रहा, जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग ग्लेशियरो का पिघलना प्राकृतिक विपदाओं की घटनाएं बढ़ना प्रकृति के साथ खिलवाड़ का नतीजा है, पर्यावरण संतुलन बनाए रखने हेतु देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक पेड़ मां के नाम का संदेश देते हुए पर्यावरण को बढ़ावा देने का आव्हान किया वहीं दूसरी ओर शहर से गांव तक चहुंओर स्वार्थ की खातिर बिना वजह बिना अनुमति के प्रधानमंत्री के आव्हान की खुलेआम धज्जियां उड़ाते हुए वर्षों पुराने हरे भरे लहलहाते पेड़ो को निर्दयतापूर्वक खुलेआम काटा जा रहा जो बड़े ही शर्म की बात है, ताज्जुब होता है कि नगरपालिका हो या जिला प्रशासन इस पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है, संकल्प पर्यावरण मित्र संस्था नीमच द्वारा विगत 11 वर्षों से निरन्तर अभियान चला कर शहर से गांव तक चहुंओर अब तक 60 हजार से अधिक पोंधे रोपित कर पेड़ बनाने का काम किया है, संस्था आमजन एवं शहरवासियों को पर्यावरण संरक्षण एवं जैव विविधता को बढ़ावा देने एवं जागरूकता लाने हेतु जिला मुख्यालय सहित जिले की अन्य तहसीलो एवं ग्रामीण अंचलों में पहुंच कर पोंधे रोपित कर उनकी नियमित देखभाल करते चले आ रहे हैं, संस्था सदस्यों द्वारा शहर में बंजर पड़ी ग्रीन बेल्ट भुमियो में हजारों पोंधे रोपित कर ग्रीन बेल्ट परिसरों कौ नगर वन के रूप में विकसित किया है, संस्था की उत्कृष्ट सेवाओ पर वर्ष 2021 में मध्य प्रदेश सरकार के जैव विविधता बोर्ड भोपाल द्वारा प्रदेश स्तर पर अशासकीय संस्था का प्रथम पुरस्कार स्वरूप 3 लाख का अवार्ड के साथ शिल्ड एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया है, जिला मुख्यालय नीमच के नगरीय क्षेत्र एवं ग्रामीण अंचलों में हरे भरे लहलहाते पेड़ों की अंधाधुंध बेरहमी से बीना अनुमति के अवैध रूप से कटाई की जाती रही है जिसकी शिकायत समय - समय पर जिम्मेदार अधिकारी, नगरपालिका, जिला प्रशासन, फारेस्ट विभाग,पुलिस प्रशासन को ज्ञापन के माध्यम से कि जाती रही है परन्तु आज तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से जिले भर में शहर से गांव तक हरे भरे लहलहाते वर्षों पुराने पेड़ों को अवैधानिक रूप से निर्दयतापूर्वक आरी चलाकर मिनटों काटकर पर्यावरण को नष्ट किया जा रहा है जिससे पर्यावरण मित्रों में भारी आक्रोश है,शहर में अबतक 20 से अधिक स्थानों पर बिना अनुमति नगरीय क्षेत्र में 50 से अधिक हरे भरे लहलहाते पेड़ों को अवैध रूप से कटाई हो चुकी है जिसकी सूची मय फोटो ग्राफ के अब तक दिये गये ज्ञापन एवं शिकायतों की छायाप्रति संलग्न कर ज्ञापन के साथ दि गई है, जिसमें जिला अस्पताल परिसर, अंबेडकर मार्ग, स्कीम नं 36, विकास नगर, कालेज रोड नीमच सिटी,इन्दिरा नगर, आदि शामिल हैं के साथ ही नवरात्रि प्रारम्भ होते ही नीमच शहर में दिनांक 23 सितंबर 2025 को भागेश्वर महादेव मंदिर परिसर में कई फलदार, छायादार, फुलदार,आम पीपल आदि अन्य प्रजातियों के बड़े बड़े पेड़ पोधो को जड़ तने से निर्दयतापूर्वक आरी से काट कर नष्ट दिया गया जिसकी जानकारी संस्था के पर्यावरण मित्रों को मंदिर से जुड़े समाजजनों की ओर से देने पर मोके पर जाकर काटे गए बड़े बड़े पेड़ पोधो की विडियो ग्राफी एवं फोटो लिये गए एवं अन्य पेड़ पौधों को काटने से रोककर नगरपालिका अधिकारी को उचित कार्रवाई हेतु शिकायत की गई नगरपालिका द्वारा मोके से पेड़ काटने कि आरी मशीन जब्त कर इतिश्री कर ली, जबकि मोके पर काटे गए बड़े बड़े पेड़ो की लकड़ीया भी जब्त करना थी,उसके बावजूद भी अब तक अवैध पेड़ काटने वालों के विरुद्ध कोई ठोस कार्रवाई न होने पर एक तरह से खुली छूट है, जिला प्रशासन को इस पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है क्योंकि एक छोटे-से से पोंधे को रोपित कर बड़ा पेड़ बनाने में कितना समय एवं कितनी मेहनत करना पड़ती है ये पेड़ काटने वालों ने कभी नहीं सोचा, जिले भर में निरन्तर अवैध रूप पेड़ो की कटाई करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई हेतु संस्था के पर्यावरण मित्रों द्वारा सोमवार दिनांक 29 सितंबर को जिला कलेक्टर कार्यालय में वृक्ष लगाओ जीवन बचाओ, पेड़ काटने वालों को गिरफ्तार करो, सांसें हो रही है कम पेड़ लगाए हम आदि के नारे लगाए, इसके पश्चात अपर कलेक्टर श्री बी एस कलेश को ज्ञापन सौंपकर पर्यावरण मित्रों ने ठोस कार्रवाई की मांग की इस अवसर पर संस्था संरक्षक नवीन कुमार अग्रवाल,अजय भटनागर, जगदीश शर्मा, अध्यक्ष किशोर बागड़ी, सचिव दुलीचंद कनेरिया, कोषाध्यक्ष रमेश मोरे,सोनु नागर,मनीष काठेंड आकाश नागर, पतंजलि के योग गुरु बालकृष्ण सोलंकी आदि उपस्थित थे उक्त जानकारी संस्था सचिव दुलीचंद कनेरिया ने दी है ।

हत्या की सुपारी देने वालों पर नहीं हुई कार्रवाई

पीड़ित ने नीमच एसपी कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई

नीमच । जिले के मनासा निवासी पप्पू उर्फ अशोक मालवीय ने मनासा पुलिस पर कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने परिजनों के साथ आज पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर शिकायती ज्ञापन दिया।

मनासा निवासी पप्पू मालवीय का दावा है कि आरोपी विक्की जैन, हरीश माली और गणपत मेघवाल ने मिलकर उनके हाथ-पैर और रीढ़ की हड्डी तोड़ने के लिए 50,000 की सुपारी दी थी।

इसका खुलासा तब हुआ, जब सुपारी लेने से मना करने वाले राहुल किर (निवासी निम्बाहेड़ा) ने 13 सितंबर को उन्हें कॉल कर पूरी बात बताई।

पीड़ित पप्पू मालवीय का गंभीर आरोप है कि उन्होंने तुरंत मनासा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसके बाद पुलिस ने मामले की जांच की और आरोपियों के बयान दर्ज किए। उनके अनुसार, जांच के दौरान विक्की जैन ने स्वयं सुपारी देकर मारपीट करने की बात कबूल की। इसके अलावा पीड़ित ने पुलिस को ऑडियो-वीडियो साक्ष्य भी उपलब्ध कराए हैं।

साक्ष्य मिलने के बावजूद कार्रवाई नहीं - पीड़ित का आरोप है कि साक्ष्यों और आरोपी की स्वीकारोक्ति के बावजूद मनासा पुलिस ने आज तक आरोपियों के खिलाफ कोई केस दर्ज नहीं किया। पप्पू मालवीय ने आरोप लगाया कि मुख्य आरोपी विक्की जैन उसे लगातार धमकी दे रहा है कि वह पैसों के बल पर पुलिस कार्रवाई को दबा सकता है। पीड़ित ने एसपी से तत्काल कानूनी कार्रवाई करने और न्याय दिलाने की मांग की है।

मनासा पुलिस का जवाबः 'कुछ गवाहों के बयान बाकी' - इस संबंध में मनासा थाना प्रभारी शिव रघुवंशी ने बताया कि आवेदन जांच में प्राप्त हुआ था। उन्होंने स्वीकार किया कि कुछ गवाहों के बयान दर्ज हो गए हैं। कुछ गवाहों के बयान बाकी हैं। थाना प्रभारी ने आश्वासन दिया कि बाकी गवाहों के बयान होने के बाद शीघ्र ही नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

Email: nmh.pawan@gmail.com
Contact: 9407423966, 8770664886

आपदा में राहत देने के बजाए जब कुर्सी हिलाने पहुंच गए कई सांसद!

गोपाल नारसन

> उत्तराखंड में आई इस भयावह प्राकृतिक आपदा के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने पहुंचे सांसदों को प्रधानमंत्री ने साफ और सख्त संदेश दिया है कि यह समय एकजुट होकर उत्तराखंड को बचाने का है। दिल्ली में उनसे मिलने पहुंचे सांसदों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दो टूक कहा, 'उत्तराखंड में संकट की घड़ी है। आप सभी तत्काल धराली और हर्षिल जैसे प्रभावित क्षेत्रों में जाएं और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का सहयोग करें।'

उत्तरकाशी आपदा से जूझ रहे उत्तराखंड में जब मलबे में दबे लोगो की जिंदगी तलाशने की जंग जारी थी,उसी समय देवभूमि के कुछ सांसद कुर्सी की चाहत में प्रधानमंत्री से मिलने पहुंच गए।यूं तो कई बार विपक्ष के बजाए सत्ता पक्ष के ही कुछ लोगो ने मौजूदा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अनेक मामलों में शिकायत कर उन्हें सत्ता से बेदखल करने का असफल प्रयास किया है,लेकिन इस बार तो हद ही हो गई राज्य प्राकृतिक आपदा से जूझ रहा था।भारतीय सेना ,एनडीआरएफ के जवानों व प्रदेश के मुखिया ने प्रलय स्थल पर जाकर मलबे में दबे लोगो को निकालकर उनमे जिंदगी खोजने का काम किया है तो करीब एक हजार लोगों को रेस्क्यू कर उनकी जान भी बचाई है।

उत्तराखंड में आई इस भयावह प्राकृतिक आपदा के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने पहुंचे सांसदों को प्रधानमंत्री ने साफ और सख्त संदेश दिया है कि यह समय एकजुट होकर उत्तराखंड को बचाने का है। दिल्ली में उनसे मिलने पहुंचे सांसदों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दो टूक कहा, 'उत्तराखंड में संकट की घड़ी है। आप सभी तत्काल धराली और हर्षिल जैसे प्रभावित क्षेत्रों में जाएं और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का सहयोग करें।' प्रधानमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार उत्तराखंड की स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। राज्य को हर आवश्यक सुविधा और सहायता तत्काल उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री धामी खुद मौके पर मौजूद हैं और राहत कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। साथ ही वे लगातार प्रधानमंत्री कार्यालय और केंद्र सरकार के संपर्क में हैं। मोदी ने सांसदों से अपेक्षा जताई कि सिर्फ बैठकें या औपचारिकता नहीं, अब जमीनी स्तर पर मदद की जरूरत है। प्रधानमंत्री के इस निर्देश से उन राजनीतिक लोगो को कड़ा संदेश गया है जो इस आपदा की घड़ी में केवल राजनीति करने तक सीमित बने हुए है।ऐसे राजनेता ओ को उन्होंने साफ कहा कि जनता के बीच जाकर राहत व पुनर्वास कार्यों में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। प्रधानमंत्री की इस सख्ती को लेकर राजनीतिक हलकों में इन दिनों चर्चा तेज है ।वहीं उत्तराखंड धराली आपदा रेस्क्यू ऑपरेशन अभी भी जारी है।उत्तराखंड सरकार ने आपदा पीड़ितों के लिए सहायता राशि का ऐलान किया।धराली आपदा में जीवन खोने वाले लोगों के परिजनों को 5-5 लाख रुपए का मुआवजा दिया जायेगा।जिन लोगों ने अपने मकान गंवाए हैं, उन्हें भी 5-5 लाख रुपए की त्वरित सहायता राशि दी जाएगी। इसके साथ ही पंजाब नेशनल बैंक ने आपदा प्रभावितों के लिए 1 करोड़ रुपए की धनराशि प्रदान की है। इस विनाशकारी आपदा ने कई जिंदगियां को छीन लिया है, वहीं लापता लोगों की तलाश में रेस्क्यू टीमें जुटी हुई हैं। सेना और आईटीबीपी के साथ एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और स्थानीय पुलिस रेस्क्यू कार्य में दिन रात मेहनत कर रही है।भारतीय सेना की राजपूताना राइफल्स के 125 जवान, घातक टीम के 10 जवान, स्पेशल फोर्स के 30 जवान और बीईजी रुड़की के 250 जवान मलबे व कीचड़ के बीच लोगों को खोज रहे हैं।इसके अलावा सेना के 75 जवान और 7 खोजी कुत्ते मलबे में दबे लोगों का पता लगाने में जुटे हैं। इतना ही नहीं आईटीबीपी के 113 जवान पैदल मार्गों से प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर राहत कार्य कर रहे हैं। भीषण प्राकृतिक आपदा के कारण प्रभावित क्षेत्र में ठप्प हुई बिजली आपूर्ति को बहाल कर दिया गया है।

लगातार भारी वर्षा, भूस्खलन और बादल फटने की घटनाओं से बिजली के पोल, तार, ट्रांसफार्मर और उपसंस्थानों को गंभीर क्षति पहुंची है।यूजेवीएन और ऊर्जा तथा माइक्रो हाइड्रो ग्रिड से निरंतर क्षेत्र में बिजली आपूर्ति की जा रही है। राजभवन में मुख्यमंत्री धामी ने राज्यपाल से मुलाकात कर धराली और हर्षिल में चल रहे आपदा राहत कार्यों एवं प्रभावित लोगों के पुनर्वास के संबंध में उन्हें जानकारी दी।धराली में एसडीआरएफ की टीमें मलबे में दबे ध्वस्त भवनों में लगातार सर्चिंग कर रही है। लापता व्यक्तियों की तलाश के लिए आधुनिक उपकरणों और डॉग स्क्वाड की सहायता ली जा रही है. ड्रोन के माध्यम से प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण कर स्थितियों पर नजर रखी जा रही है। उत्तराखंड के स्वास्थ्य सचिव आर राजेश कुमार ने बताया कि भर्ती 15 मरीजों में से चार को छुट्टी दे दी गई है। उत्तरकाशी में अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन पर उत्तराखंड के स्वास्थ्य सचिव आर. राजेश कुमार ने कहा, मैंने धराली में ग्राउंड जीरो का दौरा किया और हमारे स्वास्थ्य विभाग ने शिविर स्थापित किए हैं. मैं उत्तरकाशी के ज़िला अस्पताल का भी दौरा करूंगा, जहां कुछ मरीज भर्ती हैं। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों के तहत, स्वास्थ्य विभाग, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और भारतीय सेना की टीमें एक साथ मिलकर काम कर रही हैं। धराली में करीब नौ डॉक्टर मरीजों का इलाज कर रहे हैं। इसके अलावा, 28 एम्बुलेंस और बैकअप एम्बुलेंस तैनात की गई हैं।मुख्यमंत्री ने आपदा से प्रभावित ग्रामीणों के पुनर्वास, समग्र पुनरुद्धार और स्थायी आजीविका के सुदृढ़ीकरण हेतु तीन सदस्यीय समिति के गठन की घोषणा की है। यह समिति सचिव, राजस्व की अध्यक्षता में गठित की गई है, जो एक सप्ताह के भीतर अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट शासन को प्रस्तुत करेगी।उत्तरकाशी के जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने बताया कि बचाव अभियान अभी जारी है,फंसे लोगों को एयरलिफ्ट किया जा रहा है।धराली में संपर्क मार्गों को दुरुस्त किया जा रहा है। आपदा प्रभावितों को राहत सामग्री वितरित की जा रही है।गंगनानी में बैली ब्रिज का कार्य जारी है। धराली में जलविद्युत परियोजना से विद्युत व्यवस्था बहाल कर दी गई है। अभी तक कुल 931 लोगों का रेस्क्यू हो चुका है। हर्षिल से कुल 95 लोगों को मातली लाया गया।107 लोगों को चिन्यालीसौड़ लाया गया।उत्तरकाशी में आपदाग्रस्त क्षेत्र में फंसे लोगों को हेलीकॉप्टर से आईटीबीपी मातली व चिन्याली सौड़ पहुंचाने का सिलसिला जारी है। धराली क्षेत्र में आई त्रासदी ने धराली गांव के लोगों का व्यवसाय छीन लिया है।बड़ी संख्या में घर तबाह हो गए,लेकिन गांव के लोगों की हिम्मत और उनकी एकता को यह तबाही नहीं तोड़ पाई है।आपदा के करीब 3 दिन बाद धराली गांव के लोग वापस अपने उसी बाजार में इकट्ठा हुए और उन्होंने धराली में ही मौजूद सोमेश्वर मंदिर में एक साथ रहने का फैसला किया है।इस मंदिर में कीर्तन मंडली के कमरे में ही गांव के 150 लोगों का खाना बन रहा है और यहां की महिलाएं सभी के लिए एक साथ भोजन तैयार कर रही है। ग्रामीणों ने मन बना लिया है कि चाहे कुछ भी हो जाए गांव के लोग अलग-अलग नहीं होंगे और एक साथ ही रहेंगे।प्रमुख भूविज्ञानी डॉ. वाई.पी. सुंदरियाल का सवाल है कि खीर गंगा नदी के किनारे इतने सारे होटल, होम-स्टे और व्यावसायिक प्रतिष्ठान बनाने की अनुमति क्यों दी गई? सुंदरियाल कहते हैं, 'नदियों के बाढ़ वाले मैदानों और जलग्रहण क्षेत्रों में निर्माण कानूनन प्रतिबंधित है, फिर भी पूरे उत्तराखंड में ऐसे अवैध निर्माण जारी हैं। केदारनाथ हो, जोशीमठ या अन्य पहाड़ी शहर हर तरफ व्यावसायिक हित हावी हैं और पर्यावरणीय मानदंडों पर न्यूनतम ध्यान है।'

परंपरागत रूप से, गांव और शहर नदी तटों से एक निश्चित ऊंचाई और दूरी पर बसाए जाते थे। अब ऐसा नहीं है। लोग भूल गए हैं कि एक नदी देर-सबेर अपने जलग्रहण क्षेत्र में लौटती ही है, जैसा कि 2013 में मंदाकिनी और सरस्वती नदियों के साथ हुआ था। सुंदरियाल कहते हैं कि इन पर्वतीय क्षेत्रों में वर्षा भले कम हुई, लेकिन कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन अप्रत्याशित बढ़ा है, जो जलवायु परिवर्तन जनित आपदाओं का कारण है।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस जे. बी. पारदीवाला और आर. महादेवन ने 5 अगस्त को हिमाचल सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा, 'पर्यावरण और पारिस्थितिकी की कीमत पर राजस्व अर्जन नहीं हो सकता। हालात ऐसे ही रहे, तो वह दिन दूर नहीं जब पूरा हिमाचल देश के नक्शे से गायब हो जाएगा।' वह सभी हिमालयी राज्यों के लिए ऐसा क्यों नहीं करता- विशेषकर उत्तराखंड के लिए, जो पिछले दो दशकों से "विकास" के बोझ का मारा हुआ है? मौसम विभाग के मुताबिक 4-5 अगस्त को वहां पर 8 से 10 मिमी ही बारिश हुई जबकि बादल फटने के समय 100 मिमी से ज्यादा बारिश होती है।वैज्ञानिकों का कहना है कि इसकी वजह भूस्खलन से पानी का प्रवाह रुकने से अस्थाई झील बनना, पर्वत की तलहटी पर रुके पानी में ग्लेशियर या चट्टान का गिरना या फिर फ्लैश फ्लड हो सकती है। पूर्व वैज्ञानिक डॉ. डीपी डोभाल बताते हैं कि धराली फ्लड प्लेन में बसा है। धराली के पीछे डेढ़-दो किलोमीटर लंबा और बेहद घना जंगल है। जिस खीर गाड से फ्लैश फ्लड आया वो उन्हीं जंगलों से होकर गुजरता है। उसके ऊपर बर्फीला पर्वत है लेकिन जिस गति से फ्लैश फ्लड आया है वो बादल फटने जैसा नहीं है।ऐसे में कोई ग्लेशियर टूटकर अस्थाई झील या जमे हुए पानी पर गिरता है तो उसे तोड़ देता है, इसी वजह से जो पानी नीचे आया वह काले रंग का और मलबा स्लेटी रंग का है। ऐसा पानी और मलबा जमे हुए स्थान के टूटने से आता है। जैसा 2021 में चमोली जिले के ऋषिगंगा हादसे में अस्थाई झील में जमा मलबा बहकर नीचे आया था,जो भारी तबाही का सबब बना था,अब फिर वही आपदा फिर से मुसीबत का सबब बन गई है।

संपादकीय

पर्यावरण सुरक्षा को लेकर सख्ती

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को फिर कहा कि वह विकास के खिलाफ नहीं है, लेकिन वह सतत विकास होना चाहिए। विकास संबंधी गतिविधियों में पर्यावरण और वन्य जीवन के हितों का ध्यान रखा जाना चाहिए। ऐसे उपाय किए जाने चाहिए जिनसे विकास गतिविधियों के कारण पर्यावरण और वन्य जीवन को होने वाले नुकसान की क्षतिपूर्ति हो जाए। सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना सरकार को कांचा गाचीबोवली वन क्षेत्र के समग्र पुनरुद्धार के वास्ते 'अच्छा प्रस्ताव' पेश करने के लिए छह सप्ताह का समय देते हुए उपरोक्त टिप्पणी की। स्पष्ट कहा कि राज्य सरकार को परियोजना स्थल के क्रियान्वयन के दौरान काटे गए पेड़ों को फिर से लगाना होगा। इससे पूर्व 3 अप्रैल को शीर्ष अदालत ने कांचा गाजीबोवला वन क्षेत्र में वनों की कटाई की गतिविधियों पर स्वतः संज्ञान लेते हुए अगले आदेश तक यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया था। मामले में 16 अप्रैल को अगली सुनवाईपर सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना सरकार को फटकार लगाते हुए कहा था कि अपने मुख्य सचिव को किसी भी

गंभीर कार्रवाई से बचाने के लिए उसे 100 एकड़ वन-रहित भूमि को बहाल करने के लिएएक विशिष्ट योजना प्रस्तुत करनी होगी। कहना होगा कि विकास गतिविधियों के क्रियान्वयन के लिए वन कटान, नदी प्रवाह बाधित करने या मोड़ने जैसे काम कर दिए जाते हैं, और मजे की बात यह कि यह सब करने वाले निकाय इस नुकसान की भरपाई भी नहीं करते। चाहे मुंबई में मेट्रो प्रोजेक्ट के समय उठ खड़ी हुई पर्यावरणीय चिंताएं रही हों या दिल्ली-एनसीआर में शिवालिक पहाड़ियों और दिल्ली रिज में विकास गतिविधियों के नाम पर मचाया गया 'उत्पात' हर मामले में सुप्रीम कोर्ट ने त्राणदाता की भूमिका का निर्वहन किया है। अदालत की सख्ती के चलते ही विकास के नाम से 'विनाश' को रोका जा सका है। दरअसल, विकास बनाम विनाश की बहस काफी अरसे से जारी है। सरकारी या निजी संस्थान विकास का नाम लेकर व्यापक पैमाने पर लोगों का विस्थापन करते हैं, कुदरती संसाधनों को नष्ट कर डालते हैं। सरकारी अधिकारियों और ठेकेदारों का निहित स्वार्थों को पूरा करने वाला एक गठजोड़,जैसा बन जाता है, जो विकास के नाम पर विध्वंस मचाता है। निगहबानी से ही उनके कुत्सित प्रयासों को रोका जा सकता है।

चिंतन-मनन

वाणी का शरीर पर प्रभाव

-प्रसन्नता से होता है शरीर पुष्ट एवं क्रोध से होती है हानी

मानव शरीर में अनेक ग्रंथियां होती हैं,पियूष ग्रंथि मस्तिष्क में होती है, उससे 12 प्रकार के रस निकलते है, जो भावनाओं से विशेष प्रभावित होती हैं। जब व्यक्ति प्रसन्नचित होता है, तो इन ग्रन्थियों से विशेष प्रकार के रस बहने लगते है, जिससे शरीर पुष्ट होने लगता है, बुद्धि विकसित होती है, रक्त गति सामान्य रहती है। जब मनुष्य अधिक बोलता है, तो रक्त की गति अनावश्यक प्रभावित होती है। जिससे ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है,खून के थक्के बनने लगते है। इसी प्रकार क्रोध अधिक करने से खून का बहाव कम हो जाता है, खून जमने की शक्ति बढ़ जाने से मृत्यु भी संभव है। अपने जीवन में ज्यादा बोलना अभिशाप हो सकता है। अधिक बोलने से पाचन क्रिया पर गलत प्रभाव पड़ता है, शरीर की अधिक शक्ति खर्च होती है, पेट की मांसपेशियां खिचने लगती है, पाचन रस ग्रंथियों से नहीं निकलता, शरीर में विटामिन, खनिज तत्व एवं हार्मोन्स की कमी हो जाती हैं। शरीर रोगी हो जाता है, मानसिक दुर्बलता आ जाती है, स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है, याददाश्त कमजोर हो जाती है, अतः वाणी का प्रभाव शरीर पर पड़ता है। हर प्राणी को अपना जीवन झूठा, बनावटी, जोर जोर से बोलने वाला ना बना कर शांत चित बनाना चाहिए।

डांडियो की खनक से छाया गरबो में उल्लास, सकल ब्राह्मण महिला प्रकोष्ठ ने मनाया गरबा उत्सव

नीमच (निप्र)। सकल ब्राह्मण महिला प्रकोष्ठ द्वारा शनिवार को परशुराम महादेव मंदिर में एक दिवसीय गरबा उत्सव का आयोजन किया गया। महिलाओं ने जगमगाती रोशनी और डीजे की धून पर शानदार गरबा नृत्य की प्रस्तुति दी। महिलाओं ने एक ताल, तीन ताल के साथ एक लय में गरबा करते हुए मां की आराधना में लीन रही। महिलाओं ने तारा बिना श्याम, रमे अंबे, हे कान्हा, श्री देवा गणेशा जैसे लोकप्रिय गरबा गीतों गरबा नृत्य की प्रस्तुतियां दीं।

कलेक्टर द्वारा रेडक्रास से पांच जरूरतमंदों को 1.10 लाख रूपये की सहायता राशि का भुगतान

जनसुनवाई में कलेक्टर ने दिलाई समीर को निःशुल्क दवाईयां

नीमच । कलेक्टर हिमांशु चंद्रा द्वारा जनसुनवाई में आने वाले जरूरतमंदों को रेडक्रास से एक लाख 10 हजार रूपये की तत्कालिक आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। एक अगस्त 2025 से अब तक पांच जरूरतमंदों को एक लाख 10 हजार रूपये की सहायता राशि प्रदान की गई है। इनमें अहीर मोहल्ला बघाना के मनीष कुमार को किडनी के उपचार के लिए 5 हजार रूपये, रामपुरा के राकेश बंशीलाल को दुर्घटना में पैर फेक्चर के उपचार लिए 10 हजार रूपये, जोडमी रामपुरा की लक्ष्मी पति सत्तु बंजारा की उपचार के दौरान मृत्यु हो जाने पर पीडित परिवार की 50 हजार रूपये, कुचडौद के चंद्रशेखर जैन को दिव्यांग पुत्री के विवाह के लिए 15 हजार रूपये एवं सिंगोली के समीर पिता बरकत

हुसैन को हृदय के वाल के उपचार के लिए 30 हजार रूपये की सहायता राशि स्वीकृत कर भुगतान की गई है जनसुनवाई में मंगलवार को 23 सितम्बर को सिंगोली के समीर पिता बरकत हुसैन ने कलेक्टर से दवाईयों के लिए मदद का अनुरोध किया। इस पर कलेक्टर ने सिविल सर्जन को निर्देश दिए, कि वे समीर को आवश्यक दवाईयां निःशुल्क उपलब्ध करवाए। इस पर सिविल सर्जन नीमच द्वारा मंगलवार को ही समीर को तत्काल आवश्यक दवाईयां निःशुल्क उपलब्ध करवा दी गई है।

साध्वी सौम्य प्रभा श्रीजी की निश्रा में पंचान्हिका महोत्सव सिद्धचक्र महा पूजन में उत्साह दिखाया समाजजनों ने

नीमच 29 सितंबर(निप्र)। साध्वी सौम्य दर्शना श्री जी मसा की निश्रा एवं श्री जैन श्वेतांबर महावीर जिनालय ट्रस्ट एवं चातुर्मास समिति विकास नगर के तत्वाधान में साध्वी सौम्य प्रभा श्री जी मसा आदि ठाणा 4के चातुर्मास में विजय वल्लभ सूरी जी महाराज साहब की पुण्यतिथि एवं श्री संघ में तपस्वियों की अनुमोदना के निमित्त 3 दिवसीय पंचान्हिका जिन भक्ति महोत्सव का आयोजन 25 से 29 सितंबर तक महावीर जिनालय विकास नगर में प्रति दिन विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों के साथ आयोजित किया गया । ट्रस्ट अध्यक्ष राकेश जैन आंचलिया चातुर्मास समिति संयोजक राजमल छाजेड़ सचिव राजेंद्र बंबोरिया ने बताया कि इस अवसर विधि विधान धार्मिक अनुष्ठानों में विधि कारक बंटी बाफना विजयनगर अरुण आंचलिया एवं सुधीर जैन उन्हेल ने एक से बढ़कर एक मधुर कर्णप्रिय भजन प्रस्तुत किए। विभिन्न वैदिक मंत्रों का उच्चारण किया गया।पुजा के पाठ फल नैवेद्य चढ़ाए गए। पवित्र नदियां और तीर्थ पवित्र जल से विभिन्न मंत्रों का उच्चारण कर विभिन्न देवी देवताओं का आह्वान किया गया। 29 सितंबर सोमवार को सुबह 9.15 बजे शाश्वत नव पद ओली का शुभारंभ, एवं श्री सिद्ध चक्र महापूजन, सहित विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान हुए। साध्वी सौम्या दर्शना श्री जी महाराज साहब ने कहा कि शाश्वती नवपद ओलीजी आराधना मंगलकारी तप है इस तपस्या से आदि व्याधि दूर होती है। जीवन में महा मंगलकारी शुभ कार्य होते हैं जिसका पुण्य फल मिलता है

मयणा श्रीपाल ने मुनि सुव्रत स्वामी भगवान के शासन में सबसे पहले यह आराधना की थी इसके प्रभाव से श्रीपाल का कुष्ठ रोग दूर हो गया था। सभी रुके कार्य शीघ्रता से पूरे हो गए थे। इस ओली तप की आराधना करने से रुके हुए काम शीघ्र पूरे हो जाते हैं। दुःख दर्दमिट जाते है, सुख शांति मिलती है। इस अवसर पर श्रद्धालु भक्तों द्वारा गुरु वंदना की गई और नवकार मंत्र का जाप किया गया ओम रिम नमो अरिहंतानम का 108 बार जाप किया गया। मंगल, भूमि, अंग शुद्धि, पूजन का शंखनाद किया गया। पाठ पर नैवेद्य फल पान के पत्ते अन्न दाल से स्वास्तिक रंगोली सजाई गई और अभिषेक में वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ आहुतियां दी गई और सुख समृद्धि और शांति की प्रार्थना की गई। इस अवसर पर प्रख्यात भजन गायक कलाकार शुभम नाकोड़ा चौहान व हितेश नागौरी द्वारा अरिहंत जगत कर दो तुम्हारे तन मन जीवन अर्पण प्रभु चरणों में कर दूं ... सिद्ध पद प्यारा है चांद जो सितारों में, आओ आ जाओ पंच परमेश्वर, मेहंदी लागी रे मारे थारे नाम की ,आई शुभ घड़ी म्हारे अंगना , बाजे बाजे रे शहनाई गुरु थाने सामने... दर्शन किया करो मैं तो कर्मों के बंधन छुड़ाता रहूं, भक्ति में रंग लागे रे थाने भक्ति ,मैया कृपा कर दो झोली भर दो तेरी महिमा का गुणगान करेंगे, दुनिया से हारा तो में आया तेरे द्वार यहां से हारा तो कहां जाऊंगा... सहित विभिन्न भजनों की प्रस्तुतियां दी गई।

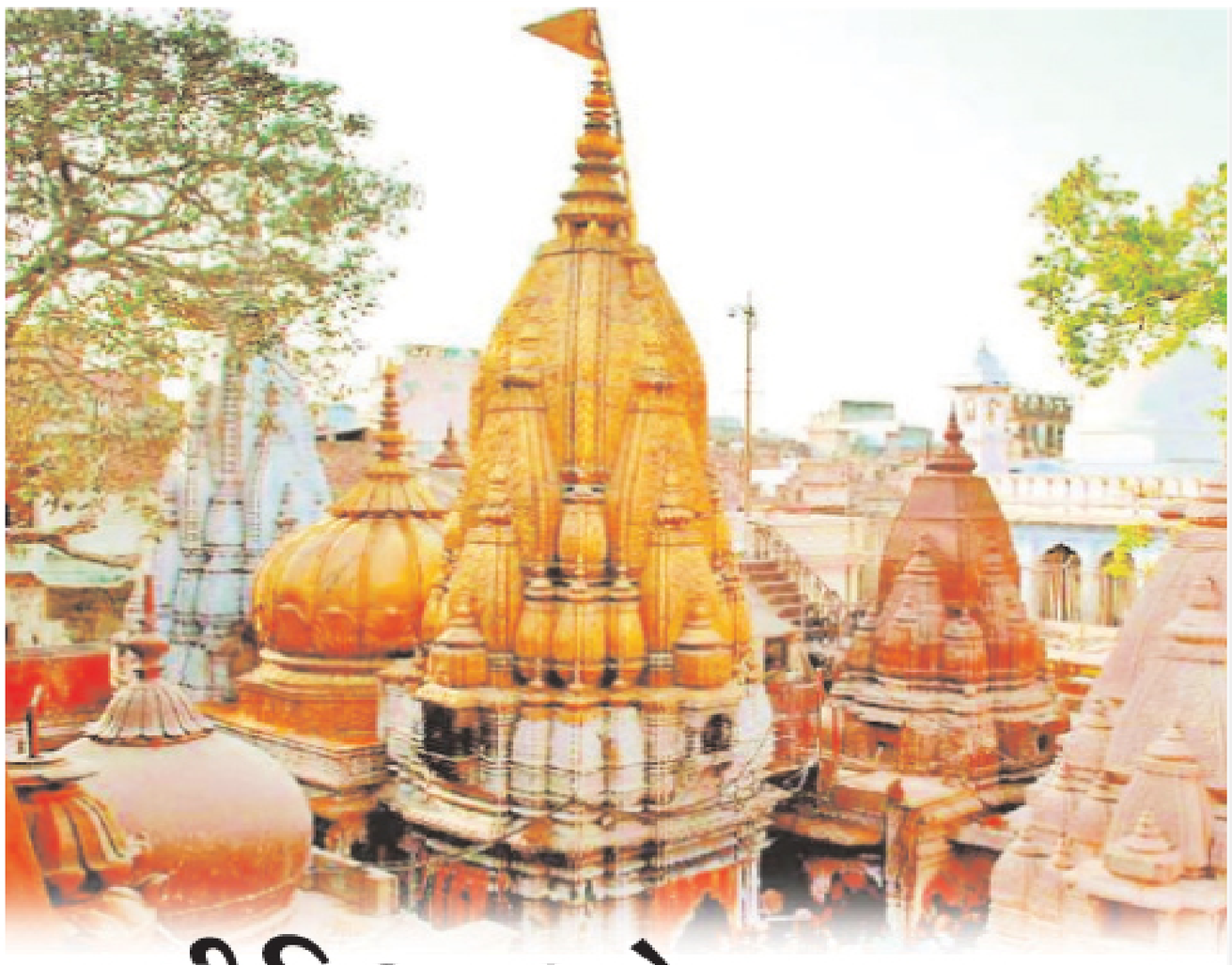

काशी विश्वनाथ के अनसुने रहस्य

बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक ज्योतिर्लिंग काशी में है जिसे बाबा विश्वनाथ कहते हैं। काशी को बनारस और वाराणसी भी कहते हैं। शिव और काल भैरव की यह नगरी अद्भुत है जिसे सप्तपुरियों में शामिल किया गया है। दो नदियों 'वरुणा' और 'असि' के मध्य बसे होने के कारण इसका नाम 'वाराणसी' पड़ा। आओ जानते हैं बाबा काशी विश्वनाथ के 10 अनसुने रहस्य।

त्रिशुल की नोक कर बसी है काशी

पुरी में जगन्नाथ है तो काशी में विश्वनाथ। भगवान शिव के त्रिशुल की नोक पर बसी है शिव की नगरी काशी।

भगवान शिव की सबसे प्रिय नगरी

भगवान शंकर को यह गद्दी अत्यन्त प्रिय है इसीलिए उन्होंने इसे अपनी राजधानी एवं अपना नाम काशीनाथ रखा है।

विष्णु की तपोभूमि

विष्णु ने अपने चिन्तन से यहां एक पुष्करणी का निर्माण किया और लगभग पचास हजार वर्षों तक वे यहां घोर तपस्या करते रहे।

सदाशिव ने की उत्पत्ति काशी की

शिवपुराण अनुसार उस कालरूपी ब्रह्म सदाशिव ने एक ही समय शक्ति के साथ 'शिवलोक' नामक क्षेत्र का निर्माण किया था। उस उत्तम क्षेत्र को 'काशी' कहते हैं। यहां शक्ति और शिव अर्थात कालरूपी ब्रह्म सदाशिव और दुर्गा यहां पति और पत्नी के रूप में निवास करते हैं।

ब्रह्मा विष्णु और महेष की उत्पत्ति

कहते हैं कि यहीं पर सदाशिव से पहले विष्णु, फिर ब्रह्मा, रुद्र और महेष की उत्पत्ति हुई।

काशी में मिलता है मोक्ष

ऐसी मान्यता है कि वाराणसी या काशी में मनुष्य के देहावसान पर स्वयं महादेव उसे मुक्तिदायक तारक मंत्र का उपदेश करते हैं। इसीलिए अधिकतर लोग यहां काशी में अपने जीवन का अंतिम वक्त बीताने के लिए आते हैं और मरने तक यहीं रहते हैं। इसके काशी में पर्याप्त व्यवस्था की गई है। यह शहर सप्तमोक्षदायिनी नगरी में एक है।

उत्तरकाशी भी काशी

उत्तरकाशी को भी छोटा काशी कहा जाता है। ऋषिकेश उत्तरकाशी जिले का मुख्य स्थान है। उत्तरकाशी जिले का एक भाग बड़कोट एक समय पर गढ़वाल राज्य का हिस्सा था। बड़कोट आज उत्तरकाशी का काफी महत्वपूर्ण शहर है। उत्तरकाशी की भूमि सदियों से भारतीय साधु-संतों के लिए आध्यात्मिक अनुभूति की और तपस्या स्थली रही है। महाभारत के अनुसार उत्तरकाशी में ही एक महान साधु जड़ भारत ने यहां घोर तपस्या की थी। स्कंद पुराण के केदारखंड में उत्तरकाशी और भागीरथी, जाह्नवी व भीलगांगा के बारे में वर्णन है।

ज्योतिर्लिंग

द्वादश ज्योतिर्लिंगों में प्रमुख काशी विश्वनाथ मंदिर अनादिकाल से काशी में है। ह स्थान शिव और पार्वती का आदि स्थान है इसीलिए आदिलिंग के रूप में अविमुक्तेश्वर को ही प्रथम लिंग माना गया है। इसका उल्लेख महाभारत और उपनिषद में भी किया गया है। 1460 में वाचस्पति ने अपनी पुस्तक 'तीर्थ चिंतामणि' में वर्णन किया है कि अविमुक्तेश्वर और विशेश्वर एक ही शिवलिंग है।

विष्णु की पुरी

पुराणों के अनुसार पहले यह भगवान विष्णु की पुरी थी, जहां श्रीहरि के आनंदाश्रु गिरे थे, वहां बिंदु सरोवर बन गया और प्रभु यहां 'बिंधुमाधव' के नाम से प्रतिष्ठित हुए। महादेव को काशी इतनी अच्छी लगी कि उन्होंने इस पावन पुरी को विष्णुजी से अपने नित्य आवास के लिए मांग लिया। तब से काशी उनका निवास स्थान बन गई।

धनुषाकारी है यह नगरी

पतित पावनी भागीरथी गंगा के तट पर धनुषाकारी बसी हुई है जो पाप-नाशिनी है।

पूजाघर में रखी गरुड़ घंटी के राज

मंदिर के द्वार पर और विशेष स्थानों पर घंटी या घंटे लगाने का प्रचलन प्राचीन काल से ही रहा है। मंदिर या घर के पूजाघर में आपने देखा होगा गरुड़ घंटी को। आओ जानते हैं इस घंटी के राज और पूजाघर में रखने के 5 फायदे।

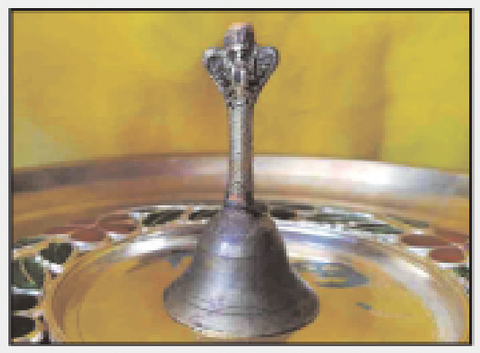

- हिंदू धर्म अनुसार सृष्टि की रचना में ध्वनि का महत्वपूर्ण योगदान मानता है। ध्वनि से प्रकाश की उत्पत्ति और बिंदु रूप प्रकाश से ध्वनि की उत्पत्ति का सिद्धांत हिंदू धर्म का ही है। इसीलिए घंटी रूप में ध्वनि को मंदिर या पूजाघर में रखा जाता है।
- जब सृष्टि का प्रारंभ हुआ तब जो नाद था, घंटी की ध्वनि को उसी नाद का प्रतीक माना जाता है।
- घंटी के रूप में सृष्टि में निरंतर विद्यमा नाद ओंकार या की तरह है जो हमें यह मूल तत्व की याद दिलाता है।
- घंटियां 4 प्रकार की होती हैं :- 1.गरुड़ घंटी, 2. द्वार घंटी, 3 हाथ घंटी और 4 घंटा।
- गरुड़ घंटी छोटी-सी होती है जिसे एक हाथ से बजाया जा सकता है।
- द्वार घंटी द्वार पर लटकी होती है। यह बड़ी और छोटी दोनों ही आकार की होती है।
- हाथ घंटी पीतल की ठोस एक गोल प्लेट की तरह होती है जिसको लकड़ी के एक गदे से ठोककर बजाते हैं।
- घंटा बहुत बड़ा होता है। कम से कम 5 फुट लंबा और चौड़ा। इसको बजाने के बाद आवाज कई किलोमीटर तक चली जाती है।
- भगवान गुरुढ के नाम पर है गुरुढ़ घंटी जिस का मुख गुरुण के समान ही होता है। भगवान गरुड़ को विष्णु का वाहन और द्वारपाल माना जाता है। अधिकतर मंदिरों में मंदिर के बाहर आपको द्वार पर गरुड़ भगवान की मूर्ति मिलेगी। दक्षिण भारत के मंदिरों में अवसर इसे देखा जा सकता है।
- घंटी या घंटे को काल का प्रतीक भी माना गया है। ऐसा माना जाता है कि जब प्रलय काल आएगा तब भी इसी प्रकार का नाद यानि आवाज प्रकट होगी

फायदे

- घंटी विशेष प्रकार का नाद होता है जो आसपास के वातावरण को शुद्ध करता है। इससे वातावरण हमेशा शुद्ध और पवित्र बना रहता है। ऐसा कहते हैं कि घंटी बजाने से वातावरण में एक कंपन पैदा होता है। इस कंपन के वायुमंडल में फैलने से जीवाणु, विषाणु इस तरह के सूक्ष्म जीव आदि नष्ट हो जाते हैं और वातावरण शुद्ध हो जाता है।
- घर के पूजाघर या मंदिर में प्रात: और संध्या को ही आरती करते वक्त घंटी बजाने का नियम है। वह भी लयपूर्ण। इससे हमारा मन शांत होकर तनाव हट जाता है।
- जिन स्थानों पर घंटी बजने की आवाज नियमित आती है वहां से नकारात्मक शक्तियां हटती हैं। नकारात्मकता हटने से समृद्धि के द्वारा खुलते हैं। इससे सभी तरह के वास्तुदोष भी दूर हो जाते हैं।
- स्कंद पुराण के अनुसार घंटी बजाने से मानव के सौ जन्मों के पाप नष्ट हो जाते हैं।
- यह भी कहा जाता है कि घंटी बजाने से देवताओं के समक्ष आपकी हाजिरी लग जाती है।

कुल देवी या देवता को 4 उपाय से मनाएं और संकटों से मुक्ति पाएं

भारत में कई समाज या जाति के कुलदेवी और देवता होते हैं। भारतीय लोग हजारों वर्षों से अपने कुलदेवी और देवता की पूजा करते आ रहे हैं। हालांकि आजकल अधिकतर परिवार ने अपने कुलदेवी और कुल देवताओं को पूजना या उनको याद करना छोड़ दिया है। संभवत: इसी के कारण वे घोर संकट में घिरे हुए हैं। यदि ऐसा है तो 4 उपाय करें और संकटों से मुक्ति पाएं।

- जन्म, विवाह आदि मांगलिक कार्यों में कुलदेवी या देवताओं के स्थान पर जाकर उनकी पूजा की जाती है या उनके नाम से स्तुति की जाती है। कुलदेवी की कृपा का अर्थ होता है सौ सुनार की एक लोहार की। बिना कुलदेवी कृपा के किसी के कुल का वंश ही क्या कोई नाम, यश आगे बढ़ नहीं सकता। अत: कुल देवी और देवता के लिए प्रतिदिन सुबह और शाम को भोग निकालें और उनके नाम का उच्चारण करें। स्थान का नाम भी नहीं मालूम हो तो तो हे माता कुलदेवी और कुलदेवता आपकी सदा विजयी हो। दुर्गा माता की जय, भैरू महाराज की जय।
- एक ऐसा भी दिन होता है जबकि संबंधित कुल के लोग अपने देवी और देवता के स्थान पर इकट्ठा होते हैं। जिन लोगों को अपने कुलदेवी और देवता के बारे में नहीं मालूम है या जो भूल गए हैं, वे अपने कुल की शाखा और जड़ों से कट गए हैं। कुलदेवी या कुल देवता के स्थान से आपके पूर्वजों का पता लगता है। जिसे यह नहीं याद है वे भैरू महाराज और दुर्गा माता के मंदिर में जाकर उनके नाम का भोज चढ़ाए और पूजा करें।
- कुल देवी या देवता के स्थान पर जाकर एक साबुत नींबू लें और उसको अपने ऊपर से 21 बार वार कर उसे दो भागों में काटकर एक भाग को दूसरे भाग की दिशा में और दूसरे भाग को पहले भाग की दिशा में फेंक दें। इसके बाद कुलदेवी या देवता से क्षमा मांग कर वहां अच्छे से पूजा पाठ करें या करवाएं और सभी को दान-दक्षिणा दें।
- कुलदेवता की पूजा करते समय शुद्ध देसी घी का दीया, धूप, अगरबत्ती, चंदन और कपूर जलाना चाहिए साथ ही प्रसाद स्वरूप भोग भी लगाना चाहिए। कुलदेवता को चंदन और चावल का टीका अर्पण करते समय ध्यान रखें की टूटे हुए या खंडित चावल ना हो। कुलदेवता को हल्दी में लिपटे पीले चावल पानी में भिगोकर अर्पण करना शुभ माना जाता है। पूजा के समय पान के पत्ते का बहुत महत्व है जिसके साथ सुपारी, लौंग, इलायची और गुलकंद भी अर्पण करना चाहिए। कुलदेवी या देवता को पुष्प चढ़ाते हुए आपको इन्हें पानी में अच्छी तरह से धोना चाहिए। सभी देवी-देवताओं की पूजा जिस तरह सुबह-शाम की जाती है, उसी तरह कुलदेवी और देवता की पूजा भी दीपक जलाकर करनी चाहिए।

हिन्दू धर्म में पंचामृत या पंचामृत के साथ तुलसी का सेवन जरूरी है। हर मंदिर में आपको पंचामृत तो मिलेगा पर पंचामृत कम ही मिलेगा। पंचामृत किसी तीज त्योहार पर बनाया जाता है। लगातार कुछ महीनों में प्रतिदिन ही पंचामृत का प्रसाद बटता है। आओ जानते हैं कि क्या है चरणामृत सेवन के लाभ।

चरणामृत सेवन के चमत्कारिक फायदे

कैसे बनता चरणामृत : तांबे के बर्तन में चरणामृतरूपी जल रखने से उसमें तांबे के औषधीय गुण आ जाते हैं। चरणामृत में तुलसी पत्ता, तिल और दूसरे औषधीय तत्व मिले होते हैं। मंदिर या घर में हमेशा तांबे के लोटे में तुलसी मिला जल रखा ही रहता है।

चरणामृत लेने के नियम : चरणामृत ग्रहण करने के बाद बहुत से लोग सिर पर हाथ फेरते हैं, लेकिन शास्त्रीय मत है कि ऐसा नहीं करना चाहिए। इससे नकारात्मक प्रभाव बढ़ता है। चरणामृत हमेशा दाएं हाथ से लेना चाहिए और श्रद्धाभावितपूर्वक मन को शांत रखकर ग्रहण करना चाहिए। इससे चरणामृत अधिक लाभप्रद होता है।

चरणामृत सेवन के चमत्कारिक फायदे :

- शास्त्रों में कहा गया है- अकालमृत्युहरणं सर्वव्याधिविनाशनम्। विष्णो पादोदकं पीत्वा पुनर्जन्म न विद्यते।।

अर्थात : भगवान विष्णु के चरणों का अमृतरूपी जल सभी तरह के पापों का नाश करने वाला है। यह औषधि के समान है। जो चरणामृत का सेवन करता है उसका पुनर्जन्म नहीं होता है।

- चरणामृत का जल का सेवन करने से कभी भी कैंसर नहीं होगा और न ही किसी भी प्रकार का अन्य रोग।
- तुलसी का पौधा एक एंटीबायोटिक मेडिसिन होता है। इसके सेवन से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता में बढ़ोतरी होती है, बीमारियां दूर भागती हैं और शारीरिक द्रव्यों का संतुलन बना रहता है।
- आयुर्वेद की दृष्टि से चरणामृत स्वास्थ्य के लिए बहुत ही अच्छा माना गया है। आयुर्वेद के अनुसार तांबे में अनेक रोगों को नष्ट करने की क्षमता होती है।
- आयुर्वेद के अनुसार यह पौरुष शक्ति को बढ़ाने में भी गुणकारी माना जाता है।
- तुलसी के इस रस से कई रोग दूर हो जाते हैं और इसका जल मस्तिष्क को शांति और निश्चिंतता प्रदान करता है।
- स्वास्थ्य लाभ के साथ ही साथ चरणामृत बुद्धि, स्मरण शक्ति को बढ़ाने भी कारगर होता है।

हिन्दू धर्म में क्यों महत्व है लाल रंग का

वैज्ञानिकों के अनुसार रंग तो मूलत: पांच ही होते हैं- कला, सफेद, लाल, नीला और पीला। काले और सफेद को रंग मानना हमारी मजबूरी है जबकि यह कोई रंग नहीं है। इस तरह तीन ही प्रमुख रंग बच जाते हैं- लाल, पीला और नीला। आपने आग जलते हुए देखी होगी- उसमें यह तीन ही रंग दिखाई देते हैं। हिन्दू धर्म में इन तीनों ही रंगों को महत्व है, क्योंकि इन्हीं में हरा, केसरिया, नारंगी आदि रंग समाए हुए हैं। लाल रंग के अंतर्गत सिंदुरिया, केसरिया या भगवा का उपयोग भी कर सकते हैं।

- हिन्दू धर्म अनुसार लाल रंग उत्साह, सौभाग्य, उमंग, साहस और नवजीवन का प्रतीक है। लाल रंग उग्रता का भी प्रतीक है।
- यह रंग अग्नि, रक्त और मंगल ग्रह का रंग भी है।
- हिन्दू धर्म में विवाहित महिला लाल रंग की साड़ी और हरी चुड़िया पहनती है।
- प्रकृति में लाल रंग या उसके ही रंग समूह के फूल अधिक पाए जाते हैं।
- लाल रंग माता लक्ष्मी को पसंद है। मां लक्ष्मी लाल वस्त्र पहनती हैं और लाल रंग के कमल पर शोभायमान रहती हैं।
- रामभक्त हनुमान को भी लाल व सिन्दूरी रंग प्रिय हैं इसलिए भक्तगण उन्हें सिन्दूर अर्पित करते हैं।
- मां दुर्गा के मंदिरों में आपको लाल रंग की ही अधिकता दिखाई देगी।
- लाल के साथ भगवा या केसरिया सूर्योदय और सूर्यास्त का रंग भी है।
- यह रंग चिरंतन, सनातनी, पुनर्जन्म की धारणाओं को बताने वाला रंग है।
- विवाह के समय दुल्हन लाल रंग की साड़ी ही पहनती है और दूल्हा भी लाल या केसरी रंग की पगड़ी ही धारण करता है, जो उसके आने वाले जीवन की खुशहाली से जुड़ी है।
- केसरिया रंग त्याग, बलिदान, ज्ञान, शुद्धता एवं सेवा का प्रतीक है। शिवाजी की सेना का ध्वज, राम, कृष्ण और अर्जुन के रथों के ध्वज का रंग केसरिया ही था। केसरिया या भगवा रंग शौर्य, बलिदान और वीरता का प्रतीक भी है।
- सनातन धर्म में केसरिया रंग उन साधु-संन्यासियों द्वारा धारण किया जाता है, जो मुमुक्षु होकर मोक्ष के मार्ग पर चलने लिए कृतसंकल्प होते हैं। ऐसे संन्यासी खुद और अपने परिवारों के सदस्यों का पिंडदान करके सभी तरह की मोह-माया त्यागकर आश्रम में रहते हैं। भगवा वस्त्र को संयम, संकल्प और आत्मनियंत्रण का भी प्रतीक माना गया है।

तुंगविद्या की वीणा की धुन पर नाचते थे श्रीकृष्ण

पौराणिक ग्रंथों के अनुसार श्रीजी राधारानी की 8 सखियां थीं। अष्टसखियों के नाम हैं- 1.ललिता, 2.विशाखा, 3.चित्रा, 4. इंदुलेखा, 5.चंपकलता, 6.रंगदेवी, 7.तुंगविद्या और 8.सुदेवी। राधारानी की इन आठ सखियों को ही ''अष्टसखी'' कहा जाता है। श्रीधाम वृंदावन में इन अष्टसखियों का मंदिर भी स्थित है। आओ इस बार जानते हैं तुंगविद्या के बारे में संक्षिप्त जानकारी।

- सखी तुंगविद्या नृत्य तथा गायन करके श्रीराधा और कृष्ण का मनोरंजन करती हैं।
- इन्हें माता पार्वती गौरी मां का अवतार माना जाता है।
- तुंगविद्या सखी 18 वेद विद्याओं में पारंगत है।
- ये वीणा बजाना भी जानती हैं और नाट्यशास्त्र एवं रसशास्त्र में भी कुशल है।
- इनकी माता का नाम मेधा, पिता का नाम पुष्कर और पति का नाम बलिश है। कुछ जगहों पर इनके पिता का नाम अंगद एवं माता का नाम ब्रह्मकर्णी बताया जाता है।
- कहते हैं कि श्रीकृष्ण तुंगविद्या की विणा पर नाचते थे।
- बरसाना से दक्षिण दिशा में छह किलोमीटर दूर सखी तुंग विद्या का गांव डभाला है। वहीं बरसाना से 8 किलोमीटर दक्षिण दिशा में स्थित राकोली गांव रंगदेवी सखी का गांव है।
- पहाड़ी पर इनका मंदिर है। तुंगविद्या सखी पीले रंग के परिधान धारण कर भक्तों को दर्शन देती हैं।
- इनका जन्म भाद्रपद शुक्लपक्ष पंचमी को हुआ था।
- राधाजी से पांच दिन छोटी हैं रंगदेवी और तीन दिन बड़ी है तुंग विद्या।

मानहानि अपराध की श्रेणी से बाहर की जाए - सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली 23 सितम्बर (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि अब समय आ गया है कि मानहानि को अपराध की श्रेणी से बाहर किया जाए। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच पूर्व जेएनयू प्रोफेसर अमिता सिंह की ओर से 2016 में एक मीडिया संस्थान के खिलाफ दाखिल मानहानि मामले की सुनवाई कर रही थी।

मीडिया संस्थान की रिपोर्ट में दावा किया गया था कि प्रोफेसर अमिता सिंह ने एक डॉजियर (दस्तावेज) तैयार किया था, जिसमें जेएनयू को अश्लील गतिविधियों और आतंकवाद का अड्डा बताया गया। अमिता सिंह का आरोप है कि रिपोर्टर और संपादक ने बिना सत्यता जांचे यह खबर प्रकाशित की, जिससे उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा। सुनवाई के दौरान जस्टिस सुंदरेश के आदेश पर वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कोर्ट से सहमति जताते हुए कहा कि राहुल गांधी का मामला भी इसी तरह विचाराधीन है। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने प्रोफेसर अमिता सिंह को नोटिस भेजा।

2017 में पहली बार मीडिया संस्था को समन भेजा गया था - 2017 में दिल्ली की एक मेट्रोपॉलिटन अदालत ने ने मीडिया संस्थान के एडिटर और डिप्टी एडिटर को मानहानि मामले में समन भेजा था। 2023 में दिल्ली हाईकोर्ट ने यह समन रद्द कर दिया। लेकिन 2024 में सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट का फैसला पलटते हुए केस को दोबारा मजिस्ट्रेट कोर्ट में भेज दिया। इसके बाद मई 2025 में हाईकोर्ट ने फिर से समन को सही ठहराया। इसके खिलाफ मीडिया संस्थान और डिप्टी एडिटर ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की। याचिका में कहा गया,

अब नया कानून भारतीय न्याय संहिता (BNSS) लागू है। इसके सेक्शन 223 के अनुसार केस की सुनवाई शुरुआती स्तर पर ही होनी चाहिए। हालांकि हाईकोर्ट का मानना है कि चूंकि शिकायत 2016 की है, इसलिए नया कानून लागू नहीं होगा। दरअसल, भारत उन कुछ लोकतांत्रिक देशों में शामिल है जहां मानहानि को अब भी आपराधिक अपराध माना जाता है।

सुप्रीम कोर्ट ने 2016 में मानहानि कानून को जरूरी बताया था - भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 356 इसके लिए सजा का प्रावधान करती है। पहले यही प्रावधान IPC की धारा 499 में था, जिसकी संवैधानिक वैधता को सुप्रीम कोर्ट ने 2016 में सही ठहराया था। 2016 में सुब्रमण्यम स्वामी बनाम भारत सरकार मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि आपराधिक मानहानि कानून बोलने की आजादी पर एक "जरूरी रोक" है और यह लोगों के जीवन और सम्मान की रक्षा करता है।

विश्व हिंदू परिषद ने निकाली 75 फीट की चुनरी यात्रा

नीमच । विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और बजरंग दल ने रविवार को शारदीय नवरात्रि के अवसर पर बघाना स्थित पुलकितानंद महादेव मंदिर से एक विशाल चुनरी यात्रा निकाली गई। इस वर्ष 75 फीट लंबी चुनरी माता जगदंबा को समर्पित की गई। महिलाएं भजन गाती हुई मंदिर पहुंची।

विहिप विभाग गौरक्षा प्रमुख लक्ष्मण राठौर ने बताया कि मां जगदंबा की आराधना से पूरे क्षेत्र में सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की जाती है। यात्रा मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर चुनरी यात्रा का स्वागत किया। यह यात्रा पुलकितानंद महादेव मंदिर से शुरू होकर धनेरिया रोड, संतोषी माता गली, अहीर मोहल्ला, फतेह चौक और होली चौक सहित प्रमुख मार्गों से गुजरी। अंत में यात्रा रेलवे फाटक स्थित नर्मदेश्वर महादेव मंदिर पहुंची, जहां माताजी की आरती की गई और प्रसाद वितरित किया गया।

धानुका परिवार के द्वारा लगवाया गया सोलर पैनल से जगमग होगा महामाया का दरबार

नीमच। महामाया मां भादवा माता मंदिर परिसर को भव्यता प्रदान करने में नीमच के दानदाता भी पीछे नहीं है। भादवा माता मंदिर परिसर में दानदाताओं द्वारा दिल खोलकर सहयोग किया जा रहा है।

जिसका जीता जागता उदाहरण धानुका परिवार है। नीमच के सुप्रसिद्ध धनुका परिवार द्वारा सोलर पैनल सिस्टम लगवाया गया है। जिससे महामाया के मंदिर परिसर में रोशनी जगमगाएगी।

श्री महामाया भादवामाता जी मंदिर परिसर में धानुका परिवार के सहयोग से लगे सोलर पैनल का सांसद सुधीर जी गुप्ता के साथ लोकार्पण किया।

इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष श्रीमती शारदा बाई मदनलाल जी धनगर,जिला उपाध्यक्ष आदित्य जी मालू, अर्जुनसिंह जी सिसोदिया, कैलाश जी धानुका, सुनिल जी धानुका परिवार, मंडल अध्यक्ष श्रीमती पूजा अनिल जी शर्मा, महामंत्री महेश जी गुर्जर,राजेंद्रसिंह जी तंवर, सरपंच प्रतिनिधि नवल कृष्ण जी सुरावत ,सचिव महेंद्र जी गुर्जर , गणमान्य नागरिक, भाजपा कार्यकर्ता एवं भक्तजन उपस्थित रहे ।

संगीतकार सतीश देहरा नीमच पहुंचे, साझा की जीवन यात्रा बोले- सनातन संस्कृति को आगे बढ़ाना ही मेरा मुख्य उद्देश्य

नीमच । संगीतकार और गायक सतीश देहरा ने हाल ही में नीमच का अल्पकालिक दौरा किया। सोमवार शाम शहर के नूतन स्कूल के समीप एक डांस क्लास में आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने पत्रकारों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने अपने संगीतकार बनने की जीवन कहानी साझा की और सनातन संस्कृति को बढ़ावा देने के अपने उद्देश्य पर प्रकाश डाला। मूल रूप से राजस्थान के नागौर क्षेत्र के निवासी सतीश देहरा वर्तमान में मुंबई में रहकर संगीत के क्षेत्र में सक्रिय हैं। वे इन दिनों निंबाहेड़ा के दशहरा मैदान में हो रही रामलीला के सिलसिले में नीमच पहुँचे थे।

देहरा ने बताया कि उनकी कला यात्रा की शुरुआत रामायण से हुई थी, जिसके बाद उन्हें फिल्म संगीतकार के रूप में पहचान मिली। उन्होंने रामायण पर आधारित कई गीत लिखे हैं, विभिन्न फिल्मों में गाना गाया है, और कई बड़े फिल्म संगीतकारों के साथ काम किया है। उन्होंने विशेष रूप से धार्मिक गीतों और भजनों को अधिक गाया है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य आने वाली पीढ़ी को सनातन संस्कृति, रामायण, रामलीला और वेदों की जानकारी देना है, ताकि वे इन्हें अपने जीवन में अपना सकें। उन्होंने यह भी बताया कि अपने कला करियर की शुरुआत में उन्होंने रामायण में चौपाइयां भी लिखी थीं।

जाजू कन्या महाविद्यालय, नीमच में ''स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार'' पर परिचर्चा सम्पन

नीमच । श्री सीताराम जाजू शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, नीमच में सेवा पखवाड़ा-2025 के अन्तर्गत दिनांक 29.09.2025 को ''स्वस्थ नारी- सशक्त परिवार'' विषय पर परिचर्चा आयोजित की गई। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. रश्मि हरित ने परिचर्चा के विषय का प्रतिपादन करते हुए कहा कि यह अभियान पूरे भारत में महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण को बेहतर बनाने पर केन्द्रित है। पौष्टिक भोजन से ही महिलाएं स्वस्थ रह सकती है। महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. पी.सी. रांका ने बताया कि ''स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार'' अभियान स्वस्थ राष्ट्र के निर्माण में महिलाओं के उत्तम स्वास्थ्य की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है। महिलाओं को राष्ट्र की शक्ति का आधार बनाने की दिशा में केन्द्र सरकार कृत संकल्पित है। स्वस्थ महिलाएं स्वस्थ परिवारों का निर्माण करती है, जिससे एक सशक्त समाज का निर्माण होता है और अन्ततः यह राष्ट्रीय लक्ष्यों में योगदान देता है। वरिष्ठ प्राध्यापिका प्रो. विजया वधवा ने बताया कि महिलाओं को अपने पौष्टिक भोजन पर अवश्य ध्यान देना चाहिए। महिला स्वास्थ्य शारीरिक, मानसिक और सामाजिक कल्याण से जुड़ा हुआ है।

परिचर्चा में महाविद्यालय की अनेक छात्राओं ने भी अपने सशक्त विचारों द्वारा परिचर्चा को सार्थक बना दिया। बी.एससी. द्वितीय वर्ष की छात्रा कु. सपना बैरागी ने महिलाओं की स्वच्छता का महत्व बताते हुए कहा कि अच्छे स्वास्थ्य के लिए सर्वप्रथम स्वच्छ रहना आवश्यक है। बी.एच. एससी. की छात्रा कु. तरन्नुम ने महिलाओं के पौष्टिक भोजन पर बल दिया। बी.ए. द्वितीय वर्ष की छात्रा लक्की पारवानी ने कहा कि महिलाओं के शारीरिक स्वास्थ्य और मानसिक कल्याण के लिए नियमित व्यायाम भी महत्वपूर्ण है। बी.ए. द्वितीय वर्ष की छात्रा कु. सपना बैरागी ने कहा कि फलों, सब्जियों, प्रोटीन और साबुत अनाज युक्त आहार से स्वस्थ रहा जा सकता है। बी.एससी. की छात्रा कु. पूजा ने कहा कि अत्यन्त काम के दिनों में भी महिलाओं को आराम एवं नींद पर पर्याप्त ध्यान देना चाहिए। बी.कॉम. द्वितीय वर्ष की छात्रा कु. गुनगुन जैन ने कहा कि संतुलित, पौष्टिक एवं फाइबर युक्त भोजन भी अच्छे स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है।

पित के साथ गरबा खेलते-खेलते ही 19 वर्षीय युवती को आया हार्ट अटैक

खरगोन 29 सितम्बर (नि)। खरगोन से एक ऐसी खबर सामने आई है जिसने झकझोर कर रख दिया है।

दुर्गा पंडाल में गरबा खेलने के दौरान ही हंसती गाती मिहला को हाट अटक और वो नीचे गिर गई। देखते ही देखते मिहला की मौत हो गई। मिहला पित क साथ 'ओ मेरे ढोलना" गाने पर गरबा डांस कर रही थी लेकिन इसी दौरान किसी ने नहीं सोचा था कि ऐसा होगा।

जानकारी के मुताबिक भीकनगांव गांव क पलासी गांव में सिंगाजी मंदिर में स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमा के सामने 19 वर्षीय सोनम अपने पित कृष्णलाल के साथ गरबा कर रही थी।

गरबा करने क दौरान ही सोनम अचानक जमीन पर गिरी और मौक पर ही मौत हो गई। इस पूरी घटना का एक वीडियो भी सामने आया है जिसमें ये दय विदारक मामला कैद हो गया है। सोशल मीडिया पर ये वीडियो काफी वायरल हो रहा है।

12th के बाद सफर जोश का मंजिल कामयाबी की
MPPSC, SSC, BANK
रेलवे, पुलिस की तैयारी कीजिए
और डिप्टी कलेक्टर, तहसीलदार, वाणिज्यिक कर अधिकारी,
SP, DSP, CID इंस्पेक्टर,CBN इंस्पेक्टर, असिस्टेंट कमाण्डेंट,
इन्कम टेक्स इंस्पेक्टर, सब इंस्पेक्टर,
बैंक क्लर्क, PO, मैनेजर आदि बनिये
सोनी कोचिंग क्लासेस ™
ISO 9001 : 2008 Certified
22 वर्षों का अनुभव।
1200 से अधिक छात्रों को नौकरी दिला चुके हैं।
धनीराम सगर मार्केट, गायत्री मंदिर के पास,
भागेश्वर मंदिर रोड,नीमच मो. 9300905061

आज ही बुक करें अपना Zelo इलेक्ट्रिक स्कूटर, घर ले जाए
मात्र रु 45990/- रु 41,990/-
में वो भी 1 साल की बैटरी वारंटी के साथ
मात्र रू.41,990/- से इलेक्ट्रिक स्कूटर की रेंज से शुरु ...
INTRODUCING
KNIGHT+
#BuiltToPerform
RTO मॉडल मात्र
रु 81000/- रु 76000/-*
(माइलेज 80-100 कि.मी.)
3 साल बैटरी की वारंटी के साथ
Zelo Electric Scooter
बंगला नं. 23, IDBI बैंक के सामने,
Lic रोड़, नीमच (म.प्र.)
मो. 9407423966, 8770664866

आंगनवाड़ी केंद्र पर किया पोषण माह का आयोजन पार्षद श्रीमती पोरवाल ने ली आंगनवाडी को गोद

नीमच। स्थानीय इंदिरा नगर वार्ड क्रमांक 7 के अंतर्गत स्थित आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक 12,13 पर 25 सितंबर को पोषण माह का आयोजन किया गया। जिसमें ईसीसीई गतिविधियों का आयोजन किया गया एवं उपस्थित वार्ड की महिलाओं को पोषण आहार के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। साथ ही व्यंजन प्रतियोगिताएं भी रखी गई, जिसमें सभी ने उत्साह के साथ भाग लिया।

इस अवसर पर वार्ड क्रमांक 7 इंदिरा नगर की पार्षद श्रीमती सुमित्रा मुकेश पोरवाल। युवा समाजसेवी गोरव पोरवाल विशेष रूप उपस्थित थे ।

सर्व प्रथम मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया । आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 12 व 13 को गोद लिया गया समाज सेवी गोरव पोरवाल ने 12 नम्बर एवं पूर्व पार्षद मुकेश पोरवाल ने केंद्र क्रमांक 13 को गोद लिया है । इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग की संध्या मैडम, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सुनीता वर्मा, ललिता मेहता, प्रेमलता शुक्ला एवं ललीता मंडलोई सोहन प्रजापति आदि उपस्थित थे।

GYANODAYA UNIVERSITY
& GROUP OF INSTITUTES
ADMISSION ANNOUNCEMENT FOR THE SESSION 2025-26
Pharmacy: D.Pharm, B.Pharm, M.Pharm
Nursing: B.Sc. Nursing, GNM Nursing, Post Basic Nur.
Paramedical: BPT, BMLT, DMLT, OT/X-Ray
Management: BBA, MBA, B.Com, M.Com
Comp. Science: BCA, MCA, DCA, PGDCA
Engineering: B.Tech (CSE), B.Tech (Elect.), B.Tech (Mech.), B.Tech (Civil), B.Tech (Fire & Safety)
Polytechnic: Electrical, Mechanical, Civil, Comp. Sci.
Agriculture: B.Sc.(Ag)
Veterinary: Diploma in Animal Husbandry
Science: B.Sc. (PCMBZ/Biotech/Microbio/CS), M.Sc. (Maths/CS/Chemistry/Physics/Bio.)
Art & Humanities: BA (Plain/ Journalism and mass communication), MA (Hindi/Eng./Psyco./Sociology Political Sci./Eco./Education)
Engineering: M.Tech (CSE/IEM/Energy Tech)
Social Work: BSW, MSW
Lib. Science: B.Lib, M.Lib
Education: B.Ed, D.El.Ed
Hospital Mgmt: MBA in Hospital & Health Care Management
Ph.D: All Subjects
Diploma Courses: YOGA, Diet. & Nutrition
Highest Package 12.75 Lac
Average Package 4.75 Lac
11,000+ Placements
25,000+ Alumni
For Admission & Enquiry
Gram: Kanawati, Neemuch (M.P.)
Call: 98275 50959 | 91797 98821
www.gyanodayauniversity.ac.in | www.gyanodayanmh.in

नीमच में सूने मकान से लाखों के गहने-नगदी चोरी

नीमच । शहर में चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, जिससे आम जनता में दहशत का माहौल है। दो दिन पहले हुई तीन चोरियों का पुलिस अभी तक पता नहीं लगा पाई थी कि रविवार रात शिक्षक कॉलोनी में एक और बड़ी वारदात हो गई। इस बार चोरों ने अधिवक्ता सुरेंद्र पटवा के सूने मकान को निशाना बनाया और लाखों के आभूषण व नगदी लेकर फरार हो गए। अधिवक्ता सुरेंद्र पटवा परिवार सहित घूमने गए हुए थे। वे शुक्रवार शाम को नीमच से निकले थे। रविवार रात लगभग 10 बजे उन्होंने अपने पड़ोसी छोटे भाई राजेश पटवा को फोन करके घर देखने को कहा। जब राजेश ने देखा तो मुख्य गेट सामान्य था, लेकिन पीछे की गली का दरवाजा खुला मिला। चोर पीछे के रास्ते से ही घर में घुसे थे।

घर के अंदर सभी कमरों में रखी अलमारियों के ताले टूटे मिले। मौके पर सोने के आभूषणों की खाली डिब्बियां और कपड़े बिखरे हुए थे। पटवा परिवार के घर से बाहर होने के कारण चोरी गए माल की आधिकारिक जानकारी अभी पुलिस को नहीं मिल पाई है। उनके लौटने पर ही नुकसान का सही आकलन हो सकेगा। राजेश पटवा ने बताया कि उन्होंने रविवार सुबह अपनी छत से पटवा जी के मकान को देखा था, तब आगे और पीछे दोनों के दरवाजे बंद थे। इससे यह अनुमान लगाया जा रहा है कि चोरी की घटना रविवार सुबह के बाद से रात 10 बजे के बीच हुई है। घर के पीछे नाली और गली होने के कारण जहां आवाजाही कम होती है, इसलिए आसपास वालों को घटना की भनक तक नहीं लग सकी। वारदात की सूचना पर पुलिस और डॉग स्क्वॉड टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। डॉग स्क्वॉड ने बिखरे सामान के पास से सुराग लेने की कोशिश की, लेकिन वह ज्यादा दूर तक नहीं जा सका। स्थानीय लोगों ने बताया कि पटवा के यहां घर से बाहर जाने पर यह चौथी बार चोरी हुई है। एक बार उनकी पत्नी के साथ चेन स्नेचिंग भी हुई थी, जिससे यह आशंका जताई जा रही है कि कोई उनके घर की रेकी करता है और मौका देखकर वारदात को अंजाम देता है।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक ऐश्वर्य शर्मा के लिए माँ भगवती प्रिन्टर्स बंगला नं. 23, आईडीबीआई बैंक के सामने, नीमच, जिला-नीमच, मध्यप्रदेश से मुदित एवं प्रकाशित। सम्पर्क: 9407423966। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नीमच होगा।